गुरुजी की अलग अलग समय पर मेरे साथ की गयी बातचीत |

सन 1995 से मई 2007 तक

सबीना कोचर

- "पहले वी मैं, हुन्न वी मैं, ते बाद विच वी मैं, ऐत्थे कोई गद्दी नहीं चलदी " - गुरुजी
  गुरुजी हमेशा इस दैवीय गद्दी पर रहेंगे | उन्होने कहा मैं था, मैं हूँ और मैं हमेशा रहूँगा | मेरा कोई वारिस नहीं है |

- " मेरे वास्ते मेरा परिवार वी संगत है " - गुरुजी
  मेरे लिए मेरा परिवार भी संगत ही है और किसी के पास कोई दिव्य शक्ति नहीं है |

- "मैं अपने भक्त नू बहुत प्यार करना वाँ " - गुरुजी
  मैं अपने भक्तों से बहुत प्यार करता हूँ और उनका बुरा वक्त ख़त्म करता हूँ |

- " जद जूती बार लांदे हो तां अपनी इंटेलिजन्स वी बाहर ला के आया करो, ओदा ऐत्थे कोई काम नहीं " - गुरुजी
  जब आप अपने जूते मंदिर के बाहर उतारते हो तो अपनी बुध्धि भी बाहर ही छोड़ कर आया करो, वो मेरे सामने किसी काम की नहीं है |

- "जेह मंदिर विच याँ मेरे नाल सेलफोन यूज़ किता ते तेरी ब्लेससिंग्स ओन्नू ट्रान्स्फर हो जानगीं" - गुरूजी
  मेरी उपस्थिति में सेलफोन का प्रयोग मत करो वरना तुम्हारा आशीर्वाद उसे चला जायगा जिस से आप बात करोगे |

- " जेह ज़िंदगी दा घोड़ा मैंनु देयो ते मैं बिल्कुल सिधा हाकांगा" - गुरुजी
  अगर आप अपनी ज़िंदगी की लगाम मुझे सौंप देते हो तो मैं तुम्हे सीधा मोक्ष तक ले जाता हूँ

- "घर दा एक मेंबर वी जे मेरे कोल आ जावे ते पूरी फॅमिली दा कल्याण हो जानदा है" - गुरुजी
  अगर किसी घर से सिर्फ़ एक सदस्य भी मेरे पास आ जाता है तो पूरे परिवार को आशीर्वाद मिल जाता हैं |

- " सिर्फ़ किताबी पाठ, पाठ नहीं होन्दा" - गुरुजी
  सिर्फ़ किताब से पाठ करना ही पाठ नहीं होता, अपना काम करना, नित नियम करना और अपने परिवार का ध्यान करना भी पाठ करना होता है |

- "सबतों उच्चा पाठ, घरवाला घरवाली दी सेवा करे, घरवाली घरवाले दी सेवा करे, दोनों मिलकर अपने बच्चेयाँ नू संवारो, अपने घर नू कलेश रहित रखो" - गुरुजी
  सबसे बड़ा पाठ तब होता है जब पति पत्नी की और पत्नी पति की तथा दोनो मिलकर बच्चों की अच्छे से देखभाल करते हैं और घर में शांति बनाए रखते हैं |

- " गुरुआं नू कॉट्रडिक्ट नहीं करदे " - गुरुजी ने मुझे कहा और पीछे मुड़कर किसीसे कहा "चल भाई लता मंगेशकर दा गाना लगा" हम सुनने लगे..... फिर गुरुजी ने कहा "किन्ना सोना गांदी है ना आशा भोंसले ?" ऐसे में कोई क्या कहता, हम चुप रहे | गुरुजी ने अपना प्रश्न फिर दोहराया मैने कहा जी गुरुजी (ये सोच कर की गुरुजी कहते हैं गुरुआं नू कॉट्रडिक्ट नही करदे)

- "रब कदे वी नज़र नहीं आन्दा" - - गुरुजी मैं केहा "मैनु तवाडे विच नज़र आन्दा है "
  तुम कभी भगवान को नहीं देख पाते, मैने कहा मुझे आप में नज़र आते हैं, और वो मुस्कुरा दिए |

- " रब नू प्यार करो, ओदे कोलों डरो ना" - गुरुजी |
  भगवान ने ही तो संसार बनाया है, सोलर सिस्टम बनाया है और सब कुछ उस परम पिता परमेश्वर ने ही तो बनाया है इसलिए भगवान से प्यार करो , भगवान से डरो मत |

- " महापुरुषा दे लेवेल होंदे ने, जो लोका दे मर्ज़ अपने उत्ते ले सक्दा है ओ यूनिवर्स इच सिर्फ़ इक होन्दा है, ओ मैं हां " - गुरुजी |
  महापुरुषों के ओहदे होते हैं और उनमे सबसे उपर सतगुरु होते हैं और वो मैं हूँ | सिर्फ़ एक सतगुरु ही सबके मर्ज़ अपने उपर ले सकते हैं और उन्हे दुखों से मुक्त कर सकते हैं | हर कोई लोगों के मर्ज़ (बीमारियाँ) अपने उपर नहीं ले सकता है, उन्हें हुकुम नहीं है, वो सिर्फ़ लोगों का मार्गदर्शन कर सकते हैं |

- " कदे किसी दी रीस नहीं करनी चाहीदी " - गुरुजी
  कभी किसी की देखा देखी अपनी चादर के बाहर पैर नहीं पसारने चाहिए |

- "लोकी birth stone ते खुशहाली वास्ते पा लेंदे ने, जे ओहियो पत्थर पुठठा असर कर रेहा होवे तां की ? नहीं पाना चाहिदा" - गुरुजी |
  अपनी खुशहाली के लिए birth stone कभी मत पहनो, कोई पत्थर उल्टा असर कर रहा हो तब क्या ? मैने गुरुजी से कहा कि हम चारों (मैं, मेरे पति तथा दोनो बच्चे) ने कभी birth stone नहीं पहने | गुरुजी ने कहा की मैं आम बात कर रहा हूँ |

- " दूर बैठा जो मेरे कोल नहीं पहुँच सकरेया, ओ मेरी फोटो नाल गल करे..... मैं सुनना हां" - गुरुजी
  अगर कोई दूर है ओर मेरे पास यां बड़े मंदिर नहीं पहुँच सकता, वो मेरी फोटो से बात करे, मैं सबकी बात सुनता हूँ |

- " डिस्कशन करन नाल रब नहीं मिल्दा" - गुरुजी
  गुरुजी के वचन पर आपस में तर्क-वितर्क करना माना है, उससे हम अपने भगवान प्राप्ति, अपने लक्ष्य से चूक जाएँगे |

- गुरु जी ने इंग्लीश मे कहा "only dead fish swim with the tide". एक मरे ज़मीर वाला इंसान ही दुनिया के ग़लत रास्ते पर चलता है | हमें ग़लत हालात से समझोता ना करके, सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए |

- "self praise is no praise". अपनी बढ़ाई आप नहीं करनी |

- "health is your real wealth". तुम्हारी असली दौलत सेहत है |

- "keep your ego in control". अपने अहंकार को वश में करके रखो |

- "life is not easy" I was told by Guruji, but prayer can sort out anything. "Those who pray are blessed". ज़िंदगी आसान नहीं है | दुआ हर मसले का हल है |

- "Too much of everything is bad". किसी भी चीज़ को बहुत ज़्यादा करना, अच्छा नहीं |

- "डॉक्टर अपना कम करन्गे मैं अपना". - गुरुजी
  जब कभी कोई परेशानी हो तो डॉक्टर को अपना काम करने दो मैं अपना काम करूँगा|

- "दवाई वी ता लगदी है ज़द मैं ब्लेस्स करांगा" - गुरुजी
  दवाई भी तभी काम करेगी जब मैं उसे आशीर्वाद दूँगा |

- " चंगे दर्शन हो रहे ने, बाद विच मैं तारेयाँ वरगा नज़र आवंगा,.....संगत वदेगी", "जिंनी मर्ज़ी जगह वदा लो (बड़े मंदिर के बारे में) फिर वी कम पएगि, ऐंनी संगत वधेगि" - गुरुजी
- बहुत अच्छे दर्शन हो रहे अभी, बाद में मैं तारों जैसा नज़र आउँगा, मंदिर में आने वाली संगत इतनी बढ़ेगी की जितनी मर्ज़ी जगह बढ़ा लो कम ही पड़ेगी |

- एक समय वो भी था जब गुरुजी सबसे नहीं मिलते थे, जिससे वो मिलना चाहते उसे वो खुद बुला लेते थे |

- " हालत बहुत माडे आ रहे ने, जो पाठ करेगा ओ बच जाएगा" - गुरुजी
  आने वाला समय बहुत खराब आ रहा है, जो प्रार्थना में विश्वास करेगा और पूरे मन से प्रार्थना करेगा वो ही बच पाएगा |

- "एस मंदिर विच बारह (12) तीरथ स्थाना दा धाम है" - गुरुजी
  जिसे हम प्यार से गुरुजी का आश्रम (बड़े मंदिर) कहते हैं वहाँ आने से बारह तीर्थ स्थानों का पुण्य एक साथ मिलता है तथा मेरा आशीर्वाद भी मिलता है ऐसा गुरुजी का कहना था |

- "लंगर प्रसाद नू दोबारा गरम नहीं करदे" - गुरुजी
  लंगर प्रसाद को दोबारा गरम नही करना चाहिए |

- "मेरे ब्लेससिंग्स देन दे बड़े तरीके ने, इक संगत करना है, जो बोल्दा है ओदा वी भला जो सुन्दा है ओदा वी भला" - गुरुजी29. "मंदिर दे अंदर सोना नहीं है..... कल्याण अधूरा रह जानदा है" - गुरुजी
  बड़े मंदिर में कभी भी सोना नहीं चाहिए, वरना गुरुजी का आशीर्वाद अधूरा रह जाता है|

- "गुरुआं नू कदे चिठ्ठी नहीं लिखी दी .....खुश रहा कर, जो होयगा अच्छा होयगा," - गुरुजी
  गुरु को कभी चिठ्ठी नहीं लिखनी चाहिए, हमेशा खुश रहा करो..... जो होगा अच्छा ही होगा |

- "हाड़ माँस दे सामने बैठा हां, लोका ने इंसान समझ लिता..... " - गुरुजी
  मैं हड्डी और माँस का इंसान बना सामने बैठा हूँ , लोगों ने इंसान ही समझ लिया |

- “लोका नू बाद विच समझ आएगी की मैं की हां..... " - गुरुजी
  लोगों को बाद में समझ आएगी की मैं क्या हूँ |

- “मैं बहुत तप किता है, पत्तेयाँ ते निर्वाह किता है, बंबई दी सड़कां ते भीख मँगी है, तेनू पता है कीना मुश्किल होन्दा है ?" - गुरुजी
  मैने बहुत कठिन तप किया है पत्तों पर निर्वाह (गुज़ारा) किया है, मैने मुंबई की सड़कों पर भीख भी माँगी है, तुम्हे पता है कितना मुश्किल होता है ?| गुरु का स्थान इतना बड़ा होता है की अगर वो चाहे तो एक ही समय में वो कई जगह पर एक साथ उपस्थित हो सकते हैं |

- "त्वानु मैं इंसान नज़र आंदा वा, जित्थे मैं खड़ा हां, मैनु तुसी लोग चींटी वरगे नज़र आंदे हो" - गुरुजी
  मैं तुम्हे इंसान की तरह नज़र आता हूँ, पर मैं जहाँ खड़ा हूँ वहाँ से तुम संब मुझे छोटी छोटी चींटी जैसे नज़र आते हो |

- "मांफ करन ही ते मैं आया वाँ " - गुरुजी
  मैं इस संसार में तुम्हे माफ़ करने ही तो आया हूँ|

- "मेरे विच सूरज नू कंट्रोल करन दी शक्ति है” - गुरुजी
  मेरे पास इतनी शक्ति है कि मैं सूरज को भी अपने अनुसार चला सकता हूँ|

- “सूरज हून बुढ्ढा हो चला है” - गुरुजी
  सूरज अब बुढ्ढा हो चुका है|

- “मी वध्धेगा” - गुरुजी
  धरती पर पानी बढ़ जायगा|

- “लोकी पेड़ कटदे ने" - गुरुजी
  लोग पेड़ काटते हैं, अच्छी बात नहीं है |

- " मेरे कोल आन दा रास्ता बहुत पथरीला है" - गुरुजी
  मेरे पास आने वाला रास्ता आसान नहीं है |

- “मैं नींबू वाकन निचोड़ दान्गा.... जे ज़रा वी रस रह गया फेर की फेदा ?" – गुरुजी
  मैं नींबू की तरह निचोड़ लेता हूँ, तुम्हारी हर तरह से परीक्षा लेता हूँ, अगर पूर्ण आत्म समर्पण नहीं करते तो फिर क्या फायदा ?

- "जेह कोई मेरी तरफ इक कदम वी वधान्दा है तो मैं ओधी तरफ सौ कदम चलकर आंदा हां" - गुरुजी
  अगर कोई मेरी तरफ एक कदम भी बढ़ता है तो मैं उसकी तरफ सौ कदम बढ़ता हूँ |

- "लंगर ते चाय परसाद विच मेरी ब्लेससिंग्स ने , ऐनु व्रत वाले दिन वी खा सक्दे हो, ओनू प्रसाद तरह देखो पदार्थ दी तरह नहीं | जद तुस्सी ऐथे लंगर खांदे हो तवाड़े घर दे मेंबर, जो नही आए, बच्चे, माँ, पयो, ओ वी ब्लेस्स हो जांदे ने" - गुरुजी
  लंगर और चाय प्रसाद तो तुम्हारी दवाई है और सब रोगों को ठीक करते हैं. इन्हें प्रसाद की तरह देखो, ना की इन्हे बनाने वाले पदार्थ की तरह | लंगर और चाय प्रसाद तो तुम व्रत में भी खा सकते हो | जब किसी परिवार का कोई एक सदस्य भी लंगर और चाय प्रसाद ख़ाता है तो, घर के बाकी सदस्य चाहे घर पर हों या अस्पताल में, सब को मेरा आशीर्वाद मिलता है |

- "लंगर दा प्रसाद ऐथे खाओ ते दवाई, जे बाहर ले जाओ ते मिठाई" - गुरुजी
  लंगर और चाय प्रसाद में मेरा आशीर्वाद होता है उसे यहीं (बड़े मंदिर) पूरा खाना चाहिए, कुछ बचना नहीं चाहिए |

- मेरे आशीर्वाद देना के बड़े तरीके हैं, उनमे से एक सत्संग करना भी है, जो बोलता है उसका भी भला होता और जो उस सत्संग को सुनता है उसका भी भला होता है | जब आप अपने गुरु के द्वारा किए कल्याण को सब को सुनते हो तो आप भी आशीर्वाद पाते हो और सुनने वाला भी आशीर्वाद पाता है | कभी कभी तो गुरुजी हमें दूर रख कर भी आशीर्वाद देते हैं |

- "किन्ने कल्याण ते मैं गुप्त करना वाँ" - गुरुजी

गुरुजी कब और क्या कल्याण करते हैं ज़रूरी नहीं है कि हमें पता हो |

- "एहो जेहा गुरु मिलेगा किद्रे ? मैं कोई प्रवचन नहीं करदा, प्रॅक्टिकल कर के विखाना हां" - गुरुजी

  मैं एक गुरु हूँ और मैं प्रवचन में विश्वास नहीं करता हूँ, सब कल्याण वास्तव में कर के दिखता हूँ |

- “सबतों वधिया रंग होंदे ने लाल, क्रीम और काला, फेर आंदे ने जोगिया, संतरी, गुलाबी, पीला, हरा, जामुनी ते सफेद | गुढ़ नीला (Electric Blue) गुरुआं दा रंग नहीं हुंदा, औ नही वर्तना चाहिदा, नेगेटिविटी होर कन्फ्यूषन पैदा कारदा है पान वाले नू | फ़िरोज़ो, आसमानी ते नेवी ब्लू चंगे हैं |" - गुरुजी

  सबसे अच्छे रंग जो निश्चयात्मकता (पॉज़िटिविटी) और समृद्धि पैदा करते हैं वो हैं लाल, क्रीम और काला, और इनके बाद आते हैं केसरिया, संतरी, गुलाबी, पीला, हरा, जामुनी और सफेद | गुड़ नीला रंग गुरुओं का रंग नहीं होता, इसे इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, ये पहनने वाले को नकारात्मकता और भ्रांतियाँ पैदा करता है | फ़िरोज़ी, आसमानी और नेवी ब्लू रंग (जो काले रंग जैसा दिखता है) अच्छे होते हैं, ये इस्तेमाल कर सकते हैं | मैने पूछा क्या ये आपने मेरे परिवार के लिए कहा है तो गुरुजी का जवाब था ,"जो सुन ले उसका भला" |

- "आँख, नाक, कान सब अग्गे हैं, पीछे नहीं, ऐदा रब नू शुकराना करना चाहिदा वे" - गुरुजी आप को अपने आँख, नाक, कान सब चेहरे पर आगे मिले हैं पीछे नहीं, इस बात का भगवान को बहुत बहुत धन्यवाद करना चाहिए |

- "इंसान किस कम दा? जानवर ता मर के वी कम आंदे ने, चमड़े दे बेग, जुते, बेल्ट, ख़ान दे कम वी आंदे ने, लेकिन इंसान ते मर के किसी कम दा नहीं, जींदे जी सिर्फ़ पाठ और शुकराना कर सक्दा वे" - गुरुजी

  जानवर कितने काम करते हैं, मरने के बाद भी हम उनकी खाल से चमड़े के बेग, जूते, बेल्ट आदि बनाते हैं यहाँ तक की मरने के बाद उसे खा भी लेते हैं, पर इंसान मरने के बाद किसी काम का नहीं है इसलिए इंसान अपने जीते जी सिर्फ़ पाठ और शुकराना करके अपना जन्म सुधार सकता है |

- गुरुजी के अनुसार गुरुजी के वचन याद करना भी संगत करना होता है | अपने व्यक्तिगत अनुभव और आशीर्वाद जो आप को गुरुजी से मिले, उनके बारे में सब को बताना भी एक तरह से गुरुजी को शुकराना करना ही होता है | अक्सर गुरुजी कहते थे कि "मैने जो तुम्हारे कल्याण किए हैं सब को बताओ"

- "जे मैं इक वी बंदा रब पासे पा दिता, मेरा कम हो गया" - गुरुजी
  अगर मैने सिर्फ़ एक इंसान को भी भगवान तक पहुँचने के रास्ते पर डाला, तो मेरा काम हो गया समझो |

- "जे करम चंगे ने, सब कुछ लवो, कोई मनाई नही है" - गुरुजी
  अगर आपके काम अच्छे हैं तो दुनिया के सब सुख गुरुजी आपकी झोली में डाल देंगे|

- "कदे वी मन्गतान नही मंगदे" - गुरुजी
  कभी भी मन्नते नहीं माँगनी चाहिएं, गुरुजी के साथ विनिमय नहीं चलता जैसे आप मुझे ये दोगे तो मैं इतने का प्रसाद चढ़ाउँगा, हम अपने परमपिता परमेश्वर को कुछ नहीं दे सकते, अगर हम सेवा भी करते हैं तो वो भी अपनी मदद ही करते हैं ना की गुरुजी की |

- "लोकी पुत्तर मंगदे ने, जे मेंटली रीटार्डीड पैदा हो जावे ता" - गुरुजी
  लोग बेटा तो माँग लेते हैं, पर अगर वो मानसिक रूप से विक्षिप्त पैदा हो गया तो ?

- "जे किसी ग़रीब नू खाना देना है ते पार्टी तो पहले ओदे वास्ते कड के रखो, बाद विच लेफ्टओवर नहीं" - गुरुजी
  अगर आपको किसी ग़रीब याँ काम करने वालों को कुछ खाना देना है तो उत्सव शुरू होने से पहले उनके लिए निकल लें ना की बाद का बचा जूठा उन्हे दें. |

- "जे भिखारी नू कुज नही देना ते कदे वी दुतकारो ना, हाथ जोड़ दिता करो..... की पता कौन किदे भेस विच आजावे ?" - गुरुजी
  अगर कोई भिखारी आपसे कुछ माँगता है पर आप कुछ नही दे पा रहे तो उसे दुतकारें नही, हाथ जोड़ लें, ना जाने किस भेस में कौन आप के सामने खड़ा हो |

- "कदे किसी दी निंदा नही करनी चाहीदी, ओ घर बैठे तवाडी पॉज़िटिव कमाई ले जानदा है ते अपनी नेगेटिव कमाई तवाडी झोली विच पा देन्दा है" - गुरुजी
  कभी भी किसी की निंदा मत करो ऐसा करने से आपका आशीर्वाद उसे अंतरित हो जाता है और उसकी नकारात्मक कमाई आपकी झोली में आ जाती है |

- "जद कोई अपना दुखड़ा तेरे सामने रोवे ओनू कवो, गुरुजी दे कोल जाओ, ओ ठीक करन्गे, सुन्नी ना ओ तवाडी पॉज़िटिविटी ले जान्गे ते अपनी नेगेटिविटी छड जान्गे" - गुरुजी
  कभी दूसरों के दुख मत सुनो, जब भी कोई आप के सामने अपनी व्यथा कहने की कोशिश करे उनसे कहो, गुरुजी के पास जाओ, वही सब ठीक करेंगे | सुनो मत अन्यथा वे अपनी नकारात्मकता आप को दे कर आपका आशीर्वाद ले जाएँगे |

- "जे तू फील करदी हैं के कोई तेरे बारे विच की केहंदा है ता तू ते ओदे कंट्रोल इच हो गई, अपने कंट्रोल इच होना सिख" - गुरुजी
  दूसरे आपके बारे में क्या कहते हैं, इस बात से प्रभावित होने के स्थान पर अपने नियंत्रण मे रहना सीखो |

- "गुप्त पाठ और गुप्त दान कीत्ता करो, नाल बैठे नू ना पता चले की तुस्सी पाठ कर रहे हो" - गुरुजी
  प्रार्थना और पाठ हमेशा इतनी शांति से करना चाहिए की आप के आस-पास बैठे किसी को पता भी नही चले की आप पाठ कर रहे हो | इसी तरह दान भी गुप्त होना चाहिए कि एक हाथ को पता ना चले दूसरे ने कुछ दिया है |

- "घर विच केक्टस ते बोनसाई नही रखना चाहिदा" - गुरुजी
  घर में नागफनी तथा बोनसाई जैसे ना बढ़ने वाले पौधे नही रखने चाहिए |

- "ओ सेवा जिदे पीछे माँग है, ओ असल सेवा नहीं, असल सेवा निस्स्वार्थ होन्दी है" - गुरुजी
  अगर सेवा के पीछे कोई अप्रत्यक्ष स्वार्थ छिपा है, तो वो निस्स्वार्थ सेवा नहीं है, असल सेवा बिना किसी माँग तथा स्वार्थ के होती है |

- " जो कम तुस्सी करदे हो, ओदे कारण नाल किसी होर दा वी भला हो जावे ता की फ़र्क पैंदा है" - गुरुजी
  अगर अपने दैनिक कामों को करने से किसी का भला हो जाता है तो क्या फ़र्क पड़ता है?

- "जो प्रवचन करदे ने, बोल्दे ने, ओ असल गुरु नहीं.....असल गुरु हमेशा अपने आप नू लूकाएगा" - गुरुजी
  जो वास्तविक गुरु होते हैं वह हमेशा अपनी पहचान गुप्त रखते हैं, और जो आगे बढ़ बढ़ कर अपने बारे में खुद ही बताते हैं वे सच्चे गुरु नहीं होते |

- " एक बार हम गुरुजी के साथ रात के 2 बजे तक बैठे थे और गुरदास मान जी का गाना "रातों को उठ उठ कर" चल रहा था और तब हमे पता लगा की गुरुजी हमारे लिए कितनी प्रार्थना, कितना तप करते हैं ताकि हम रातों को शांति से सो सकें | गुरुजी कभी नहीं सोते थे, वे निरंतर पाठ करते रहते थे |

- "दो जने नाल बैठे होन्गे, फ्रेग्रेन्स इक नू आएगी दूजे नू नहीं क्योंकि ए मेरे उत्ते है कीनू देनी है" - गुरुजी
  गुरुजी के शरीर से निकालने वाली खुश्बू, उनकी इच्छा के अनुसार निकलती थी | गुरुजी के अनुसार ये भी एक तरह का प्रशाद था जिसे पाने वाला उसे कहीं भी पा सकता था मंदिर में भी और घर बैठे भी |

- गुरुजी = "गुर बानी दे टप्पे सुन्दे हो?" (गुरु वाणी के शब्द सुनते हो?)
  मैने जवाब दिया "हांजी गुरुजी कदी कदी" (हाँ गुरुजी कभी कभी)
  गुरुजी = "समझ आंदे ने ?" (समझ आते हैं?)
  मैने कहा "जी थोड़े थोड़े" (जी थोड़े थोड़े)
  गुरुजी = "सुनया करो, चन्गे होंदे ने" (सुना करो अच्छे होते हैं)

- "जद मैं त्वानु डॅन्स करवाना वाँ, थ्वाडी बॉडी दा पूरा एक्स रे खिच जानदा है होर जिथे खराबी होन्दी है मैं ठीक करना वाँ" - गुरुजी
  जब भी मैं आप से नृत्य करवाता हूँ तो आपके शरीर का पूरा खांचा मेरे सामने खींच जाता है और जहाँ भी कोई कमी याँ खराबी होती है मैं ठीक करता हूँ |

- गुरुजी हमेशा संगत से "शिव पुराण" पढ़ने के लिए कहते थे |

- "बोता पैसा चंगा नही होन्दा, साईं इतना दीजिए जा में कुटुम्ब समाय" - गुरुजी
  ज़्यादा पैसा अच्छा नहीं होता, भगवान से हमेशा प्रार्थना करनी चाहिए की इतना दीजिए जितना मेरे परिवार के लिए पूरा हो |

- "गुरु अग्गे अपने कर्म बख़्शवा लेने चाहीदे ने, ओ करम जो त्वानु नहीं पता की तुसी ग़लत करे ओ वी" - गुरुजी
  गुरु के सामने प्रार्थना कर के अपने कर्मों की माफी माँग लेनी चाहिए, उन कर्मों की भी जो आपको नहीं पता की आपने कुछ ग़लत कर दिए हैं |

- "गुरु वास्ते एन्ना प्यार होना चाहिदा की सोंदे, जगदे, लिपिस्टिक लगांदे वेले वी गुरु चेता होवे" - गुरुजी
  आपका अपने गुरु के लिए प्यार ऐसा होना चाहिए की सोते, जागते और अपने दैनिक कामों को करते भी आप अपने गुरु को ही याद करते हों |

- एक दिन मैने गुरुजी से पूछा "मोक्ष मिल्दा है"(क्या कभी मोक्ष मिलता है) गुरुजी ने जवाब दिया" जे चंगे कम करो ता" (हाँ मिलता है अगर अच्छे और मानवता के काम करो तो)

- "मैं एक रसिक बैरागी हूँ जो तुम्हें परिवारिक उत्तरदायित्व निर्वाह के साथ साथ प्रार्थना के मार्ग पर चलना सिखाता है" - गुरुजी

- "मैं सृष्टि दे फेर विच कदे वी हस्तक्षेप नहीं करदा....लेकिन जिदे उत्ते गुरुआं दी मौज आ जावे, लेख मिटा कर नवा लेख लिख सकना वाँ" - गुरुजी
  मैं सृष्टि के कामों मे कभी हस्तक्षेप नहीं करता, लेकिन अगर कभी गुरु अपने किसी भक्त पर मेहेरबान हो जाए तो सृष्टि का लिखा मिटा कर नया लेख भी लिख सकते हैं|

- "गुरआं दी गल, पत्थर दी लकीर" - गुरुजी
  गुरु जो बात कह देते हैं वो पत्थर की लकीर की तरह है, जो कहा है वो होना ही है |

- "नेगेटिव गाने नहीं सुनने चाहीदे....हर नेगेटिव सीरियल, पिक्चर नहीं वेखनी" - गुरुजी
  दुख भरे गाने, सीरियल और फिल्में नहीं सुनने और देखने चाहिए |

- "मंगलिक, फज़ूल दे वहम ने" - गुरुजी
  किसी इंसान का मंगलिक होना फ़िज़ूल के वहम है |

- "घर दा लंगर सबतों चंगा होंडा है" - गुरुजी
  घर का बना खाना ही सबसे अच्छा होता है, बाहर खाना खाने से बचना चाहिए |

- "आत्महत्या करना बहुत वॅड्डा पाप होन्दा है" - गुरुजी
  आत्महत्या करना महापाप होता है |

- "चढ़ाए होये फूल नहीं लेने चाहीदे, घर जांदे वक्त नदी विच बहा देना" - गुरुजी
  गुरुजी का आदेश था की चढ़ाए हुए फूल नहीं लेने चाहिए, और अगर मिल जाए तो घर जाते हुए नदी में बहा देने चाहिए |

- "सलवार कमीज़ सबतों चांगी ड्रेस होन्दी है" - गुरुजी
  सलवार कमीज़ सबसे अच्छी पोशाक होती है, साड़ी से भी अच्छी |

- "पावे सब दे कोल पूरा घर है पर रहना एक बेडरूम विच है. रहन वास्ते घर दा एक कमरा ही कम आंदा है"- गुरुजी
  सब के पास अपना पूरा घर होता है, पर रहने के लिए सिर्फ़ एक कमरे की ही आवश्यकता होतीहै|

- गुरुजी तांबे का लोटा कुछ लोगों को ब्लेस्स करके देते थे, (जो दूर थे उनके लिए ये कहा)

- "जे मेरी फोटो नाल तांबे दा लोटे छुआ देओ ते ओ ब्लेस्स हो गया | कदे वी लोटे नू डिटरजेंट दे नाल नही धोना | राती नींबू या राख दे नाल धो के भर के रखो, सवेरे पहला पे लो" - गुरुजी

सिर्फ़ मेरी फोटो से तांबे का लोटा छुआ भर देने से वो अभिमंत्रित हो जाता है | तांबे के लोटे को कभी साबुन इत्यादि से नहीं साफ करना चाहिए | रोज़ रात को नींबू यां राख से धो कर पानी से भर कर रख देना चाहिए और सुबहा सबसे पहले वही पानी पीना चाहिए |

- "ए कलयुग है, एदे विच रब जल्दी मिल जानदा वे, पुटठा नहीं लटकना पैंदा" - गुरुजी
  ये कलयुग है, इस युग में भगवान बहुत शीघ्र और आसानी से मिल जाते हैं | उन्हे पाने के लिए कठिन तप करने यां पेड़ से उल्टे लटकने की ज़रूरत नहीं है | बस प्रार्थना करो और भगवान का शुकराना करो |

- गुरुजी के शरीर से एक खुश्बू निकलती थी | उन्होने बताया की ये बरसों के तप से होता है.... अपने अंदर का एक ऐसा स्वर्ग जिसे "सचखंड" भी कहा जाता है |

- गुरुजी की नज़र में कोई नई संगत यां पुरानी संगत जैसा कुछ नहीं था, सब एक बराबर थे | उनका कहना था की मेरे साथ कितने वर्ष का साथ है कभी मत गिनो क्योंकि सिर्फ़ उन्हे पता है की हम उनके साथ कितने जन्मों से जुड़े हुए हैं | गुरुजी भूत, वर्तमान और भविष्य, सब देख सकते थे और उनसे कुछ भी नही छुपा हुआ था | गुरुजी किसी को भी ये बता देते थे की कब उसने क्या खाया सिर्फ़ ये बताने के लिए के वो सब जानते हैं |

- "मेरे नाल डाइरेक्ट कनेक्षन जोड़ो" - गुरुजी
  मेरे साथ सीधा संपर्क रखो
- मैं पहले उन्हे आशीर्वाद देता हूँ जो तुम्हे मेरे पास लाता है, और उसके बाद की यात्रा तुम्हारी अपनी है |

- "गुलाब विच वी कँडा होन्दा है " - गुरुजी
  अगर किसी अच्छी चीज़ या काम के साथ कुछ बुरा जुड़ा होता है तो उसे भी अच्छे की तरह ही स्वीकार करो क्योंकि संपूर्ण दोषरहित कुछ नही होता जैसे गुलाब के साथ काँटे भी होते हैं |

- समय किसी का इंतज़ार नही करता - गुरुजी
  समय कभी किसी का इंतज़ार नही करता

- पाठ किदरे वी कर सक्दे हो, घर दे किसी वी कमरे विच रब नू याद कर सक्दे हो |
  पाठ कही भी कर सकते हो, घर के किसी भी कमरे में भगवान को याद कर सकते हो |

- समय नू हमेशा वधा के दस्दे ने, पौने नो ना कवो, 08:45 (आठ पैंतालीस) कवो |
  समय बताते हुए हमेशा बढ़ा कर बताते है, पौने नो मत कहो, हमेशा आठ पैंतालीस कहा करो |

- लोकी एन्ना फालतू खर्चा करदे ने व्याह उत्ते, व्याह सिंपल होने चाहीदे ने, असल सेरेमनी किन्नी जल्दी हो जांदी है |
  लोग शादी विवाह में कितना फालतू खर्चा करते हैं, शादी विवाह सादगी से होने चाहिए, विवाह की असल रस्में कितनी जल्दी हो जाती हैं |

- गुरु अपना आशीर्वाद देने के बाद कभी वापिस नही लेते | गुरु के काम करने के तरीके आश्चर्यजनक होते हैं | हमें उनके आशीर्वाद को भौतिक वस्तुओं और नफे नुकसान से नही मापना चाहिए

जय गुरुजी महाराज

सबीना कोचर